कर्क राशि

वर्षारम्भ से २६ मई तक मंगल कर्क राशि पर रहेगा। आय कम खर्च अधिक होगा। १० मार्च तक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। बिघ्न-बाधाओं के बाद भी भरण-पोषण लायक धन की प्राप्ति होगी। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। घरेलू कार्यों पर खर्च होगा। २ मई से ३० अक्टूबर तक गुरु की शुभ पंचम उच्च दृष्टि से बिगड़े कार्य बनेंगे। २ मई से ३० अक्टूबर तक गुरु की शुभ उच्च पंचम दृष्टि से बिगड़े कार्य बनेंगे, धन लाभ के अवसर तब ही प्राप्त होंगे। क्योंकि प्रारम्भ में गुरु आठवें स्थान में आकर शारीरिक कष्ट का अनुभूति तो करायेगा ही, साथ-साथ ही शत्रु व विरोधी आपके विरुद्ध योजना या षड्यन्त्र रच सकते हैं। किसी घनिष्ठ व्यक्ति से बिछोह सम्भव है। लेन-देन के कार्यों में सावधानी रखें। मई के बाद ही धनलाभ की स्थितियाँ काफी मजबूत होंगी। लक्ष्य की दशा की ओर अग्रसर होंगे। शनि की तृतीय घर में स्थिति पराक्रम में वृद्धि करायेगी।

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अधिक शुभ नहीं है। अष्टम भाव का गुरु कितना भी कष्ट में हो ईश्वरीय सहायता प्राप्त हो जाती है। अब यह घर मृत्यु का न होकर धन वृद्धि और करने वाला होगा। कभी-कभी अष्टम भाव का गुरु पेट सम्बन्धी बीमारी दे सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। धन-सम्पत्ति के लिए भूमि में धन लगायें, बैंक बैलेंस बढ़ सकता है।

घर में नया मेहमान आ सकता है। अविवाहितों का विवाह हो सकता है। पारिवारिक सुख के लिए वर्ष उत्तम है। आपसी सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य के लिए भी वर्ष उत्तम है। सन्तति पक्ष से आप निश्चिन्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। स्त्री सुख उत्तम है। दाम्पत्य जीवन सुखी एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा। व्यापारिक कार्य क्षेत्र उन्नति एवं सफलता के लिए अनुकूल है। शनि की तृतीय घर में स्थिति व्यापार में उन्नति तथा लाभ देता है। नये घर प्राप्ति की सम्भावना बन रही है। षष्ठ भावस्थ राहु के प्रभाव से इस समय शत्रु एवं विरोधी वर्ग को पराजित करने में सफल रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह आपको सन्तोषप्रद लाभ देगा। नवम भाव में गुरु आपको कैरियर या नौकरी में कोई महत्वपूर्ण ऑफर दिला सकता है, जिससे आपका महत्व बढ़ जायेगा।

इस वर्ष आपकी कोई लम्बी दूरी की या विदेश की यात्राएं सम्पन्न हो सकती हैं। इसमें व्यय अधिक हो सकता है। यात्रा के मध्य शारीरिक कष्ट या मानसिक रूप से भी कभी-कभी कष्ट हो सकता है। तृतीय भाव में शनि की स्थिति से मित्र एवं सम्बन्धियों से किसी प्रकार की अपेक्षा न करें, उन पर विश्वास करना भी बहुत बड़ी भूल होगी।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

२०१० ई० में कर्क राशि वालों के लिए उपाय निम्न प्रकार से है-

1. प्रत्येक मंगल व शनिवार को काले रंग की गायों को तेल सनी रोटियाँ खिलायें।
2. वर्ष के आरम्भ में सोमवार को भगवान शिव को दूध एवं बिल्व पत्र से अभिषेक करें।